कार्यालय प्राचार्य, हरिदेव जोशी राजकीय कन्या महाविद्यालय, बांसवाडा (राज.)

राष्ट्रीय ई संगोष्ठी प्रतिवेदन

हरिदेव जोशी राजकीय कन्या महाविद्यालय बांसवाड़ा में राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वाधान में 8 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था "भारत में महिला सशक्तिकरण : चुनौतियां एवं संभावनाएं " इस संगोष्ठी में देश के 4 राज्यों के वक्ताओं ने अपने अपने विचारों से संगोष्ठी में भाग लेने वाले विभिन्न राज्यों के सहभागियों को लाभान्वित किया एवं इस विषय पर एक नई सोच के लिए प्रेरित किया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सरला पंड्या ने की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ. शिप्रा राठौड़ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ाया गया प्रत्येक कदम प्रत्येक प्रयास नारियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा।

डॉ. उर्वशी साबू ने **महिला एवं पर्यावरण विषय पर** अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं औद्योगिक विकास के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता। भारतीय संस्कृति में अत्यंत प्राचीन काल से ही स्त्रियों को अत्यंत सम्मानजनक स्थान प्राप्त है, शिव और शक्ति का सामंजस्य इसका उदाहरण है। डॉ. साबू ने महिला श्रम के महत्व को समझने पर बल दिया।

डॉ. सर्वजीत दुबे ने नारी के प्रति दृष्टिकोण विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि बालिकाओं की सामाजिक उपेक्षा अनेक समस्याओं को जन्म देती है, उन्हें सशक्त बनाने के लिए समाज के प्रत्येक घटक को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं में वह ताकत है जिससे वह समाज और देश में बड़े से बड़ा सामाजिक-आर्थिक सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। डॉ. दुबे ने पुरजोर शब्दों में कहा कि महिलाएं अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह पूरी निष्ठा के साथ करती है।

डॉ. साक्षी वाष्णैय एवं डॉ. गरिमा श्रीवास्तव ने **महिलाएं एवं स्वास्थ्य संरक्षण** विषय पर पी.पी.टी के माध्यम से कहा कि हेल्थ केयर सेंटर में महिलाओं के बड़े योगदान के बाद भी उच्च पदों पर महिला प्रतिशत कम होना निराशा की स्थिति पैदा करता है आवश्यकता इस बात की है कि उनकी ताकत को पहचानते हुए प्रत्येक क्षेत्र में उनकी भागीदारी को बढ़ावा दिया जाए।

डॉक्टर सारिका श्रीवास्तव ने महिला सशक्तिकरण एवं सोशल कंडीशनिंग विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भावी पीढ़ी को संवेदनशील आत्म विश्वासी बनाने में माता-पिता की संयुक्त जिम्मेदारी होती है इसलिए महिलाओं के विचारों को पूरा सम्मान देना पूरे समाज का दायित्व है।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए प्राचार्य डॉ. सरला पंड्या ने कहा कि सशक्त नारी ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है।

इस प्रकार इस संगोष्ठी के माध्यम से महत्वपूर्ण विचार में बिंदु इस प्रकार रहे कि लैंगिक समानता पर बल दिया जाए जिससे लैंगिक भेदभाव समाप्त हो, प्रत्येक महिला को उसके अधिकारों से अवगत किया जाए, भारत सरकार की सभी योजनाएं प्रत्येक महिला तक पहुंचाई जाए। इन बिंदुओं पर कार्य योजना बनाए जाने की आवश्यकता है जिससे महिला सशक्तिकरण केवल नारा नहीं बल्कि सच्चाई बनकर समाज के समक्ष प्रत्येक नारी पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी पहचान बना सके।

श्री सुनील कुमार ने तकनीकी सहयोग देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया कार्यक्रम में महाविद्यालय के सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

(डॉ. सरला पण्डया)
प्राचार्य

(डॉ. सर्वजीत दुबे)
संयोजक आयोजन समिति

(डॉ. शिप्रा राठौड़)
आयोजन

कार्यालय प्राचार्य, हरिदेव जोशी राजकीय कन्या महाविद्यालय, बांसवाड़ा (राज.)

Website : www.hdjggc.org. **Email: hdjgirlscollege1995@gmail.com** **Tel. & Fax: (02962) 244162**

क्रमांक :

दिनांक :– 08.03.2021

प्रेस नोट

हरिदेव जोशी राजकीय कन्या महाविद्यालय बांसवाड़ा में 8 मार्च 2021 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा "भारत में महिला सशक्तिकरण :- चुनौतियां एवं संभावनाएं" विषय पर राष्ट्रीय ई – संगोष्ठी आयोजित की गई।

विभागाध्यक्ष एवं आयोजन संचिव डॉ. शिप्रा राठौड़ ने सभी सहभागियों एवं देश के विभिन्न राज्यों से जुड़ने वाले वक्ताओं - डॉ. उर्वशी साबू ,डॉ. सारिका श्रीवास्तव, डॉ. साक्षी वार्ष्णेय एवं डॉ. सर्वजीत दुबे का स्वागत एवं अभिनंदन किया। व संगोष्ठी के विषय का परिचय देते हुए भारत के संविधान में महिलाओं के अधिकारो की जानकारी देते हुए जमीनी हकीकत पर महीलाओं की स्थिति का विश्लेषण किया ।

सर्वप्रथम संस्था प्रधान डॉ. सरला पण्ड्या ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आर्शीवचन देते हुए महिला एवं पुरूष के एक ही सिक्के के दो पहलु होने के बावजूद महिला जीवन अधिक संघर्षमय होने के कारणों का अन्वेषण ही इस संगोष्ठी का उद्धेश्य बताया ।

डॉ. उर्वशी साबू ने महिला एवं पर्यावरण विषय पर प्रकृति एवं स्त्री में संबंध स्थापित करते हुए बताया कि पाश्चात्य संस्कृति के विपरीत भारतीय संस्कृति शिव व शक्ति में सामंजस्यता की संस्कृति है ना कि शोषण आधारित। साथ ही इन्होंने वर्तमान में प्रचलित हो रहे "ECO - Feminism" व कु– विकास की अवधारणा पर भी प्रकाश डाला।

डॉ सर्वजीत दूबे ने भारतीय समाज में प्राचीन समय से अद्वैत की धारणा का प्रचलन बताते हुए समय-समय पर नारी आंदोलनों के बदलते रूपों जैसे नारी मुक्ति आंदोलन, नारी समानता व नारी सशक्तिकरण, आन्दोलनों की सफलता के लिए नए , संवेदनशील आंदोलन की अवधारणा प्रस्तुत की जिसमें सोच बदलने ,समाज बदलने तथा महिलाओं में आत्म गौरव की भावना जागृत करना शिक्षा जगत का दायित्व बताया।

डॉ. साक्षी वार्ष्णेय एवं डॉ. गरिमा श्रीवास्तव ने हेल्थकेयर सेक्टर में महिलाओं के बड़े योगदान के बावजूद उच्चपदों पर महिलाओं का कम प्रतिशत होना समाज की बहुत बड़ी विडंबना बताया।

डॉ. सारिका श्रीवास्तव ने महिला सशक्तिकरण एवं सोशल कंडीशनिंग पर विचार प्रस्तुत करते हुए आने वाली पीढ़ियों को संवेदनशील,आत्मविश्वासी बनाने में माता और पिता की संयुक्त जिम्मेदारी बताया।

अतः में संयोजक डॉ सर्वजीत दूबे द्वारा सभी विद्वान वक्ताओं व सहभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम संचालन प्रो. सुनील कुमार मीणा द्वारा किया गया । कार्यक्रम में डॉ.रक्षा निनामा, श्रीमती प्रमिला पारगी,श्री. मनोज कुमार,मीना कुमारी मीणा, मोनिषा मीना,सुरेश जोशी,श्रीमती स्मिता उपाध्याय, श्री प्रसन्न आचार्य, कृष्ण कुमार चोधरी, शिखा पण्ड्या, उपस्थित रहे व आयोजन में योगदान दिया।

08.03.2021

दैनिक भास्कर
बांसवाड़ा, मंगलवार, 09 मार्च, 2021 | 17

गर्ल्स कॉलेज में ई-संगोष्ठी

बांसवाड़ा. ई गोष्ठी में शामिल प्राचार्य और व्याख्याता। P.No-17

बांसवाड़ा| हरिदेव जोशी राजकीय कन्या महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भारत में महिला सशक्तिकरण, चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी आयोजित की गई। विभागाध्यक्ष एवं आयोजन सचिव डॉ. शिप्रा राठौड़ ने सभी सहभागियों एवं देश के विभिन्न राज्यों से जुड़ने वाले वक्ताओं डॉ. उर्वशी साबू, डॉ. सारिका श्रीवास्तव, डॉ. साक्षी वाष्णेय, डॉ. सर्वजीत दुबे का स्वागत व अभिनंदन किया। सर्वप्रथम संस्था प्रधान डॉ. सरला पंड्या ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आशीर्वचन देते हुए महिला एवं पुरुष के एक ही सिक्के के दो पहलू होने के बावजूद महिला जीवन अधिक संघर्षमय होने के कारणों का अन्वेषण ही इस संगोष्ठी का उद्देश्य बताया। अतः में संयोजक डॉ. सर्वजीत दूबे द्वारा सभी विद्वान वक्ताओं व सहभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम संचालन प्रो. सुनील कुमार मीणा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. रक्षा निनामा, प्रमिला पारगी, मनोज कुमार, मीना कुमारी मीणा, मोनिषा मीना, सुरेश जोशी, स्मिता उपाध्याय, प्रसन्न आचार्य, कृष्णकांत चैधरी, शिखा पण्ड्या, उपस्थित रहे।

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 9 Mar 2021

बांसवाड़ा. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सोमवार को बड़े उल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय पर विभिन्न संस्थाओं और संगठनों की ओर से हुए कार्यक्रमों में नारी को शक्ति स्वरूपा और समाज की रचनाकार निरूपित कर महिला सशक्तिकरण और अधिकारों को देने की पैरवी की गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से कौशल विकास केन्द्र पर महिलाओं में कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने के लिए हेल्प डेस्क की स्थापना की गई। पैनल अधिवक्ता उमेश दोसी ने प्रशिक्षुओं को कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। आजीविका विकास निगम से जिला कौशल समन्वयक शक्तिसिंह सिसोदिया, शैलबाला पंचाल, मिताली जैन, विनीता ठाकुर एवं बीना कुंवर आदि उपस्थित रहे। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कूपड़ा में विधिक जागरूकता शिविर में प्राधिकरण सचिव देवेन्द्रसिंह भाटी ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण में बाधा बनी कुरीतियों को दूर करने की बात कही। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ठिकरिया में उमेश दोसी ने छात्राओं को कानूनी अधिकारों की जानकारी दी।

लियो कॉलेज में 'स्त्री स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता संगोष्ठी' गोविन्द गुरु विश्वविद्यालय के आनंदम कोर्स से संबद्ध कर आयोजित की गई। इसमें निदेशक मनीष त्रिवेदी ने महिला सशक्तिकरण एवं महिला शिक्षा पर जोर देते हुए महिलाओं को आर्थिक, शारीरिक, मानसिक, मनोबल तथा स्व निर्णय में आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डा. दर्शना त्रिवेदी ने मारवाड़ी गीत के माध्यम से महिला जागरुकता का सन्देश दिया। प्राचार्य डा. शिल्पा याग्निक ने महिलाओं के अधिकारों के साथ साथ सामाजिक दायित्व निर्वहन की बात कही। व्याख्याता रीना उपाध्याय व रश्मि वाधवानी के नेतृत्व में छात्राओं ने गोद लिए हुए गांव में जा कर सेनेटरी नैपकीन वितरित किए। हरिदेव जोशी राजकीय कन्या महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से भारत में महिला सशक्तिकरण, चुनौतियां एवं संभावनाएं विषयक राष्ट्रीय ई संगोष्ठी आयोजित की गई। आयोजन सचिव डा. शिप्रा राठौड़ ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े वक्ताओं डा. उर्वशी साबू, डा. सारिका श्रीवास्तव, डा. साक्षी वार्ष्णेय एवं डा. सर्वजीत दुबे का स्वागत कर संगोष्ठी के विषय का परिचय देते दिया। प्राचार्या डॉ. सरला पण्ड्या ने विचार व्यक्त किए। संचालन प्रो. सुनील कुमार मीणा ने किया। टायनी टॉट्स उमावि में रत्ना अय्यर के मुख्य आतिथ्य में महिला दिवस मनाया। कविता अय्यर ने नारी को सबला और सशक्त बताया। कार्यक्रम में सम्मिलित शकुंतला चौहान, आभा त्रिवेदी, संध्या